

२११-

पञ्जाबली पेशा हरी काथिलना पारा बालपोगमार्थ  
प्राची व अग्रणी के प्रथम आपकी संशोधना  
लेख आदलत की आवना हो गया किन्तु  
प्राची प्राचीना प्रजा की भाषा नहीं बोलना  
न्याय किन्तु नरना चार्ड डी प्राची का  
प्राचीना राज किन्तु ब्यापि सिपाजीगत  
पञ्जाबली बोलना सुभाइ होकर १५६२  
दाखिल है

सहायक कलेक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी,  
लुणा